

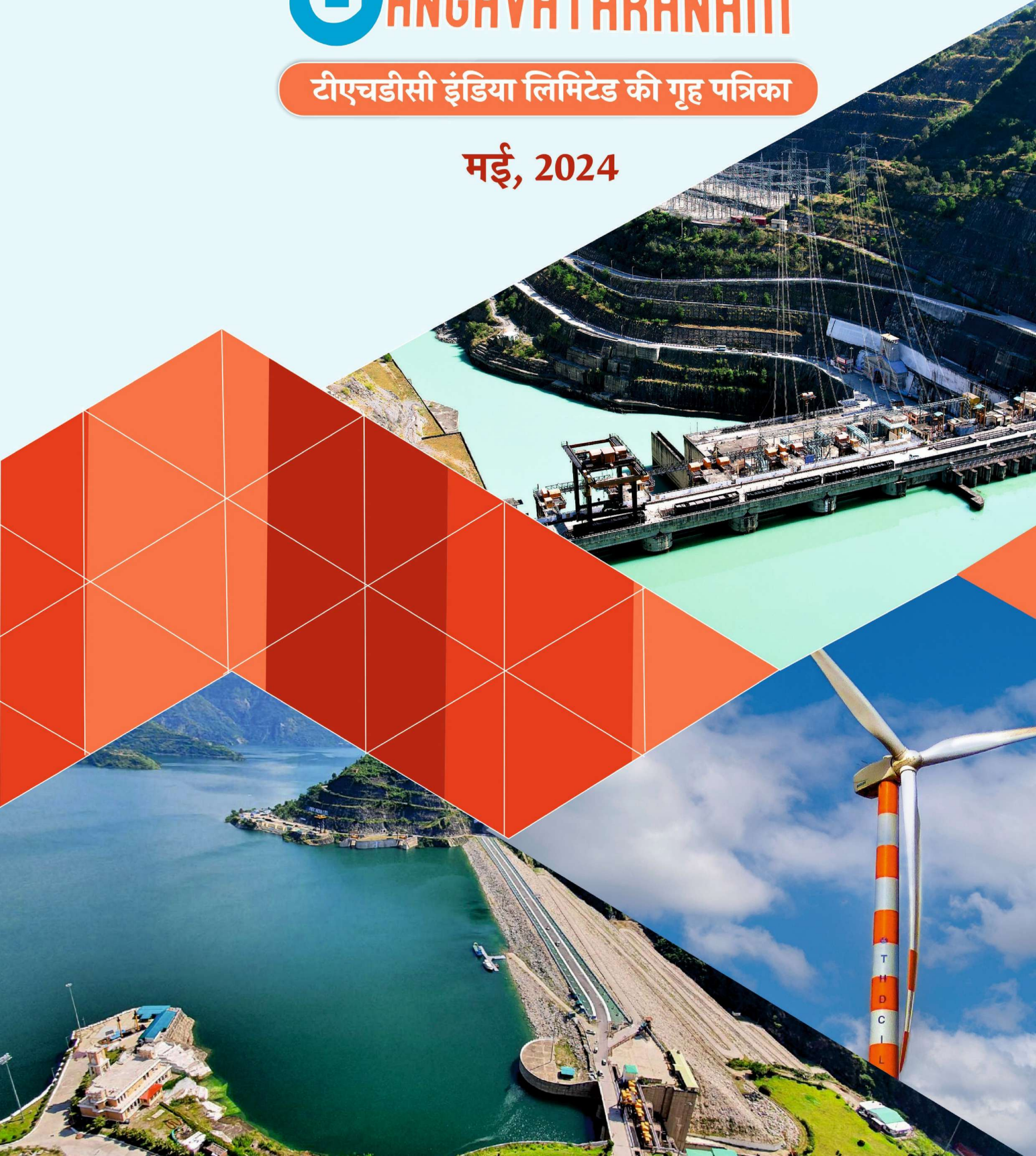


टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न, पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

जांगावतरणम् JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

मई, 2024





CONTENTS

1. CMD Message2.
2. CMD visited Tehri Complex3.
CMD inspected Progress of Slop
Protection Works at Shri Mata Vaishno
3. Devi Shrine,4.
Chairperson, CERC's visit to Tehri
Complex & Blood Donation Camp at
Tehri
THDCIL organized HR Retreat
Training Program at HRD Center &5.
VPHEP organized field visit for
School students
5. Swachhata Pakhwada 20246.
organized at THDCIL
6. D(P) Inaugurated International
Conference on Mathematics7.
05-day Training Program for the
employees of CEA organized at8.
HRD center
8. Brain Yoga Workshop at Tehri
and VPHEP &9.
THDCIL signed MoU with UK
PWD
THDCIL issued Corporate Bond
Series X &
9. Cricket Tournament organized at10.
Tehri Project
First Steam Blowing at KSTPP &
Rajbhasha Inspection at KSTPP &11.
VPHEP
10. Medical Camp & Reinforcement
work at VPHEP & Registration of12.
workers under BOCW Act at KSTPP
12. Ladies Club13.
13. Retirement14.

मुख्य संरक्षक

श्री आर. के. विश्‍नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक

श्री शैलेन्द्र सिंह
निदेशक (कार्मिक)

संपादक

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
महाप्रबंधक
(मानव संसाधन एवं जनसंपर्क)

उप संपादक

सुश्री काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग

श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक

श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी

श्री मनवीर नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कोटेश्वर

श्री आर. डी. मंगगाई
उप प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी

श्री बी. एस. चौहान
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी

श्री अविनाश कुमार
कार्यपालक प्रशिक्षु (जनसंपर्क)

खुर्जा

श्री प्रभात कुमार
कार्यपालक प्रशिक्षु (जनसंपर्क)



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश



विश्व पर्यावरण दिवस-2024 की हार्दिक शुभकामनाएं!

“पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम्।

मूढैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते”।

प्रकृति ईश्वर की वह रचना है जो मनुष्य एवं जीव जंतुओं को वरदान स्वरूप प्राप्त हुई है, सृष्टि की रचना के प्रारंभिक काल से ही प्रकृति ने सहचरी की भांति हमारा साथ निभाया है। प्रकृति ईश्वर का दिया वह आशीर्वाद है जिससे मनुष्य ने परंपरा, मूल्य, अनुशासन, रीति-रिवाज एवं ज्ञान का भंडार प्राप्त किया है। प्रकृति माँ का वह स्वरूप है जिसने समय-समय पर न जाने कितने दुख और अत्याचार सहकर भी अपनी गोद में समाये जीव जंतुओं एवं मनुष्यों का पालन पोषण किया है।

यह बात सच है कि बदलते हुए वक्रत और विकास की बढ़ती मांग के साथ मनुष्य का भी आगे बढ़ना जरूरी है, मगर इन्हीं बढ़ती हुई अपेक्षाओं और आवश्यकताओं के कारण मनुष्य अपनी माँ स्वरूप प्रकृति को भूल चुका है। मगर साथियों, अब वह वक्रत आ गया है, जब हम सभी को मिलकर अपनी प्रकृति माँ की सेवा करनी होगी, गहन मंथन एवं एकजुट होकर और सोच विचार कर ईश्वर द्वारा बनाई गई इस खूबसूरत रचना को बचाना होगा और पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता का निर्वहन करना होगा।

आज 5 जून को प्रतिवर्ष वैश्विक स्तर पर प्रकृति के सम्मान में “विश्व पर्यावरण दिवस” मनाया जाता है। यह पहल साल 1973 से ही चली आ रही है, जिसके माध्यम से विश्वभर के लोगों को पर्यावरण को बचाने हेतु और सभी समुदायों एवं वर्गों को एक साथ जोड़ने और पृथ्वी की सुरक्षा के लिए ठोस फैसले लेने के लिए प्रेरित किया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस का महत्व हर बीतते हुए वर्ष के साथ और भी ज्यादा महत्वपूर्ण होता जा रहा है। वर्तमान का वातावरण (बढ़ता तापमान, जंगलों में लगने वाली आग, पानी की कमी, नष्ट एवं विलुप्त होते जीव-जंतु एवं बंजर होती भूमि) इस बात का प्रमाण है कि विश्व में पर्यावरण की चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं, जिस पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक हो गया है। यह दिवस हमें पर्यावरण संरक्षण, हरित तथा सतत भविष्य के निर्माण के लिए ठोस कदम उठाने की प्रेरणा देता है। भारत में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्यावरण, वन और जलवायु को संरक्षित करने के लिए “मिशन लाइफ” को केंद्र में रखते हुए विश्व पर्यावरण दिवस 2024 मनाने की परिकल्पना की गई है। लाइफ का अर्थ है- पर्यावरण के लिए जीवन शैली, जिसकी शुरुआत 2021 यूएनएफसीसीसी कॉप-26 के दौरान भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने ग्लासगो में आयोजित वैश्विक नेताओं के शिखर सम्मेलन में की थी। तब उन्होंने स्थायी जीवन शैली और प्रथाओं को अपनाने के लिए एक वैश्विक लक्ष्य को फिर से हासिल करने का आह्वान किया था।

“मिशन लाइफ” के इस संदेश को सभी तक पहुंचाने के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने भी माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के महत्वपूर्ण हिस्से, स्वच्छ और ऊर्जा दक्षता प्रणाली, सशक्त शहरी बुनियादी ढांचा और नियोजित पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापन के दृष्टिकोण के तहत विभिन्न कार्यक्रमों एवं अभियानों की शुरुआत की है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड अपनी स्थापना के समय से ही अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत अपनी जिम्मेदारियों और प्रतिबद्धताओं का निर्वहन कर रहा है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड अपनी परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण को सर्वोपरि रखा है। निगम का मानना है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक दूसरे के पूरक हैं और इन्हें संतुलित रखना अत्यंत आवश्यक है। टीएचडीसी की पर्यावरणीय पहलों में सामुदायिक भागीदारी को भी विशेष महत्व दिया गया है। कंपनी स्थानीय समुदायों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने और उनके साथ मिलकर काम करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए विभिन्न कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, और जागरूकता अभियानों का आयोजन भी किया जाता है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के यह प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, बल्कि एक स्वस्थ और हरित भविष्य की ओर भी कार्य कर रहे हैं। निगम का यह दृढ़ संकल्प है कि "पर्यावरण संरक्षण सर्वोपरि है" जो कि वास्तव में एक अनुकरणीय उदाहरण है।

साथियों, विश्व पर्यावरण दिवस पर इस वर्ष की थीम 'Land restoration, desertification and drought resilience' (भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखा ग्रस्त होने से रोकना) है, जिसे बंजर होती भूमि के समाधान को ध्यान में रखते हुए चुना गया है। वर्तमान समय में वनों के कटाव, जलवायु परिवर्तन एवं मानवीय गतिविधियों के कारण उपजाऊ भूमि अपनी वनस्पतियों और जीवों को खोकर रेगिस्तान में बदलती जा रही है। मिशन लाइफ के माध्यम से सुझाई गई जीवन शैली हमें इस समस्या से लड़ने की ताकत देती है। यदि विश्व में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति सही जीवन शैली अपनाए तो भूमि को बंजर होने से बचाया जा सकता है और पृथ्वी को फिर से हरित किया जा सकता है।

हमारी पृथ्वी को सुरक्षित, स्वस्थ और हरा-भरा रखने में योगदान देने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। इस विश्व पर्यावरण दिवस पर, हम सभी मिलकर संकल्प लेते हैं कि हम अपनी धरती माँ की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

स्वस्थ रहें.... सुरक्षित रहें....


(आर. के. विश्वाई)



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा टिहरी हाइड्रो परिसर का दो दिवसीय सघन निरीक्षण किया गया



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के टिहरी दौरे की कुछ झलकियाँ

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्वोई ने टिहरी परिसर का दो दिवसीय (19 और 20 मई, 2024) सघन निरीक्षण दौरा किया। उनके साथ श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) और श्री एल.पी.जोशी, परियोजना प्रमुख (टिहरी परिसर) सहित टीएचडीसीआईएल के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। श्री विश्वोई ने 1000 मेगावाट टिहरी पीएसपी के निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया।

श्री विश्वोई ने निरीक्षण के पहले दिन टिहरी बांध का दौरा किया और सघन निरीक्षण किया। श्री एल.पी.जोशी, कार्यपालक निदेशक (टिहरी परिसर) ने श्री विश्वोई और वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न निर्माण गतिविधियों की जानकारी दी। श्री विश्वोई एवं श्री गुप्ता ने टिहरी पीएसपी के महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे बटरफ्लाई वाल्व, पीएससी (पेन स्टॉक असेंबली चैम्बर), ईए-7 और टीआरटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद श्री विश्वोई ने अधिकारियों और हितधारकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

निर्माण स्थलों के निरीक्षण के बाद, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्वोई द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें निर्माण कार्यों के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा, समीक्षा बैठक के दौरान श्री विश्वोई ने उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने और परियोजना को समय पर पूरा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टिहरी पीएसपी 2030 तक राष्ट्र के 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के लक्ष्य के अनुरूप, शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ 24*7 सस्ती बिजली आपूर्ति करने के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगी। यह परियोजना टीएचडीसी की स्थायी ऊर्जा समाधान और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी), श्री भूपेन्द्र गुप्ता ने परियोजना गतिविधियों को समय पर पूरा करने का आश्वासन देते हुए उत्कृष्टता और पर्यावरण प्रबंधन के प्रति टीएचडीसीआईएल के समर्पण को रेखांकित किया।

टीएचडीसीआईएल, एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम, जल, सौर, पवन और थर्मल ऊर्जा स्रोतों का दोहन करने में विशेषज्ञता रखता है, जिसकी संस्थापित क्षमता 1587 मेगावाट है, जिसमें टिहरी बांध और एचपीपी (1000 मेगावाट), कोटेश्वर एचईपी (400 मेगावाट), गुजरात में पवन ऊर्जा परियोजनाएं, लघु जल विद्युत परियोजनाएं और केरल में एक सौर ऊर्जा परियोजना शामिल हैं। इसके अलावा, टीएचडीसीआईएल मध्य प्रदेश में कोयला खदानों का संचालन भी कर रहा है।

इस बैठक में श्री संदीप सिंघल, कार्यपालक निदेशक (तकनीकी), श्री आर.आर. सेमवाल (मुख्य महाप्रबंधक-ईएमडी), श्री वीरेंद्र सिंह, मुख्य महाप्रबंधक(ओएमएस), श्री ए.के. घिल्डियाल(मुख्य महाप्रबंधक-प्लानिंग और एमपीएस), श्री ए.आर.गैरोला (महाप्रबंधक-पीएसपी), श्री एम.के.सिंह (महाप्रबंधक-मैकेनिकल), डॉ. ए.एन.त्रिपाठी (महाप्रबंधक-मा.सं. एवं प्रशा.) और श्री नीरज अग्रवाल (अपर महाप्रबंधक-सिविल डिजाइन) और टीएचडीसीआईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।



Chairman and Managing Director, THDCIL Inspected Progress of Slop Protection Works at Shri Mata Vaishno Devi Shrine



Some views of the visit

On May 25, 2024, Sh. R.K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited visited Shri Mata Vaishno Devi shrine and conducted a comprehensive inspection of the ongoing slope protection works in coordination with officials from the Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board. The primary objective of the visit was to assess the progress of the Phase III works and ensure they meet the highest standards of safety and quality.

THDC India Limited has been in partnership with the Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board since June 6, 2011, under a Memorandum of Understanding (MoU). This collaboration involves THDCIL providing designs and engineering services to stabilize 33 identified vulnerable zones between Katra and the Shri Mata Vaishno Devi Ji Bhawan, ensuring the safe passage of pilgrims visiting the shrine. The stabilization work is being carried out in phases, with two phases covering 12 locations already completed. Phase III, which addresses 8 locations, is currently underway.

During the visit Sh. Niraj Kumar Agrawal, AGM-Incharge (Design), and Sh. Kailash Chandra Joshi, DGM (Design) were also present.

अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली का टिहरी बाँध परियोजना का दौरा



श्री जिष्णु बरूआ, अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली, द्वारा 03 मई, 2024 और 04 मई, 2024 को टिहरी बाँध परियोजना का दौरा किया गया। केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष द्वारा टिहरी में कार्यरत अधिकारियों के साथ बाँध निर्माण, विद्युत उत्पादन एवं परियोजना में चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति से संबंधित बैठक की गई। श्री एल. पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) द्वारा बैठक में विस्तारपूर्वक टिहरी बांध परियोजना एवं कोटेश्वर बांध परियोजना के प्रथम चरण के तहत किए गए कार्यों एवं द्वितीय चरण के तहत पी.एस.पी. में चल रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया गया। तत्पश्चात् अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग द्वारा टिहरी बाँध निर्माण के विभिन्न स्थलों एवं हाइड्रो पावर प्लांट, त्रिहरी जल शक्ति संग्रहालय का दौरा किया गया।

उक्त दौरे के दौरान महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.), डॉ. ए. एन. त्रिपाठी एवं अपर महाप्रबंधक (ओ.एंड एम.), श्री रवींद्र सिंह राणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

टिहरी परियोजना में रक्तदान शिविर का आयोजन

टिहरी परियोजना चिकित्सालय में आई.एम.ए. ब्लड बैंक, देहरादून के सहयोग से 17 मई, 2024 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स), श्री एल.पी. जोशी द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर में कुल 124 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।





Generating Power... Transmitting Prosperity ...

टीएचडीसीआईएल ने सार्वजनिक क्षेत्र के मानव संसाधन प्रबंधन में उत्कृष्टता लाने के लिए 'एचआर रिट्रीट: नेविगेटिंग इमर्जिंग ट्रेंड्स' प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया



प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के दृश्य

विद्युत क्षेत्र के कार्यबल की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने एवं उन्हें अत्याधुनिक मानव संसाधन तकनीकी समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ, ऋषिकेश में टीएचडीसीआईएल द्वारा तक्षशिला सतत आजीविका एवं सामुदायिक विकास केंद्र, में "एच.आर. रिट्रीट: नेविगेटिंग इमर्जिंग ट्रेंड्स" एक परिवर्तनकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री आर.के.विश्वोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने अवगत कराया कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड राष्ट्र को किफायती 24x7 विद्युत प्रदान करने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ-साथ उन्नत प्रशिक्षण पद्धतियों और मानव संसाधन पहलों के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में परिवर्तन को भी प्रेरित कर रहा है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मध्यम स्तर के मानव संसाधन प्रबंधकों के लिए तैयार किया गया था जो कि संगठनात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए टीएचडीसीआईएल की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। श्री विश्वोई ने टीएचडीसीआईएल के तक्षशिला सतत आजीविका और सामुदायिक विकास केंद्र के महत्व को भी रेखांकित किया और हितधारकों से जुड़ाव और कौशल वृद्धि पहल के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में इसकी सराहना की।

16 से 18 मई, 2024 तक आयोजित किये गए इस एचआर रिट्रीट कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती गीता कपूर, एसजेवीएन लिमिटेड की पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं श्री शैलेंद्र सिंह, निदेशक (कार्मिक), टीएचडीसीआईएल द्वारा किया गया। श्रीमती गीता कपूर ने संगठनात्मक प्रगतिशीलता और लचीलेपन को बढ़ावा देने में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मानव संसाधनों के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य को अपनाने के विशेष महत्व पर जोर दिया।

श्री शैलेंद्र सिंह ने प्रगतिशील कॉर्पोरेट लोकाचार विकसित करने के लिए टीएचडीसीआईएल की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि यह कार्यक्रम भविष्य के मानव संसाधन नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने के लिए आधारशिला के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम समकालीन मानव संसाधन प्रतिमानों की समग्र समझ प्रदान करता है। श्री शैलेंद्र सिंह ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया की सराहना की, जिसमें टीएचडीसीआईएल, एसजेवीएन, रैटल एचपीसीएल, पीजीसीआईएल, आरईसी लिमिटेड, नीपको, यूजेवीएन लिमिटेड और एनएचपीसी जैसे प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 35 मध्य स्तर के अधिकारी शामिल थे। उन्होंने समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता करने के लिए नीपको के निदेशक (कार्मिक), मेजर जनरल (सेवानिवृत्त), श्री आर.के. झा की भी कार्यक्रम में समय देने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में श्री झा की उपस्थिति एक विशेष उपलब्धि है क्योंकि इससे वहाँ उपस्थित लोगों को उनके वृहद ज्ञान और अनुभव से सीखने का अवसर मिला।

अंत में, श्री शैलेन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों, रिसोर्स पार्टनर आईआईएम सिरमौर और टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की मानव संसाधन विकास टीम को उनके अथक प्रयासों और अद्वितीय समर्पण के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

श्री वीर सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.), टीएचडीसीआईएल के साथ श्री एस.के. शर्मा, अपर महाप्रबंधक (मा.सं.विकास), टीएचडीसीआईएल और कार्यक्रम समन्वयक श्री रवि बुढलाकोटी, प्रबंधक (मा.सं.वि.) ने कार्यक्रम की अवधारणा, परिकल्पना एवं कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वीपीएचईपी प्रभावित ग्रामों के राजकीय इंटर कॉलेज के छात्रों हेतु औद्योगिक भ्रमण का आयोजन

विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, गडोरा के कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों हेतु दो दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन 17 मई, 2024 और 20 मई, 2024 को किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक और परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा ने परियोजना मुख्यालय में छात्रों का अभिवादन कर उन्हें साइट विजिट के दौरान अधिकारियों के साथ खुलकर जुड़ने और सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।





विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

स्वच्छता पखवाड़ा 2024 का आयोजन

ऋषिकेश



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में 16 मई से 31 मई 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ निगम के कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में 16 मई 2024 को किया गया। इस अवसर पर श्री आर. के. विश्वा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल ने कहा कि देश में वर्ष 2016 से सभी सरकारी विभागों और मंत्रालयों में स्वच्छता पखवाड़ा के मुद्दों और इसके अंतर्गत कार्यों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से स्वच्छता पखवाड़ा हर वर्ष आयोजित किया जाता है और वर्ष 2024 स्वच्छता पखवाड़ा कार्यान्वयन का लगातार 09वां वर्ष है। स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक), टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिला कर किया गया।

इस अवसर पर श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) भी उपस्थित रहे। टीएचडीसीआईएल की सभी इकाइयों और परियोजना कार्यालयों में 16 मई से 31 मई, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। स्वच्छता पखवाड़े के लिए नियोजित गतिविधियों में स्वच्छता जागरूकता अभियान और स्कूलों में पेंटिंग और नारा लेखन प्रतियोगिताओं के माध्यम से जनसमूह को जागरूक करना शामिल रहा। विद्युत क्षेत्र में एक जिम्मेदार और अग्रणी उपक्रम के रूप में, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने स्वच्छता और पर्यावरण को लगातार प्राथमिकता दी है।

श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) ने इस अवसर पर कहा कि साफ और सुरक्षित पर्यावरण को बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से, टीएचडीसीआईएल सतत विकास और पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए एक मानक स्थापित करता है। यह समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करते हुए उन समुदायों में सकारात्मक योगदान देने के अपने व्यापक मिशन को रेखांकित करता है जिनके हित में यह कार्य करता है। इस अवसर पर श्री वीर सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.), श्री ए. के. गर्ग, सीएफओ सहित निगम के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

टिहरी



पीपलकोटी

देहरादून



कौशांबी

जयपुर



कासरगॉड



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

Director (Personnel), THDCIL inaugurated the International Conference on Mathematics at Pt. Lalit Mohan Sharma Campus, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Rishikesh



Some glimpses of the conference

Reinforcing THDC India Limited's commitment as a leading Power Sector Enterprise dedicated to the holistic development of the Nation, Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited conveyed that apart from its vision to provide clean and affordable Power Supply 24 x 7, THDCIL remains steadfast in its commitment to be an active player in the development of the Nation, with a special emphasis in the State of Uttarakhand.

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel) THDCIL inaugurated a 3-day International Conference on Nonlinear Analysis and Applications (ICNAA 2024) & Symposium on ancient Indian Mathematics organized by the Department of Mathematics at Pandit Lalit Mohan Sharma Campus, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Rishikesh on 10th May, 2024.

A host of eminent faculty members from several countries, including Japan, South Africa and Nepal, addressed the conference, sharing their expertise with a diverse group of participants. Sh. Singh extended a warm welcome to Mrs. Krishna Singh, the Guest of honour and Wife of Late Prof. S.L. Singh, Prof. M.S. Rawat, Campus Director, Prof. Anita Tomar, Convenor, Prof. Yasunori Kimura, Tohu University, Japan, Prof. P. Veeramani, IIT Madras, Prof. Kanahiya Jha, Kathmandu University Nepal, other eminent faculty members and participants.

Calling the conference "very special", Sh. Singh said that it is a matter of great honour & pride that the conference was organized in memory of an International acclaimed mathematician, belonging from humble village background who polished his academics in Uttarakhand. This conference was a platform for sharing the importance of mathematics with today's generation while honouring the contribution of stalwarts such as Srinivasa Ramanujan, Aryabhata, Bhaskaracharya, Satyendra Nath Bose and D. R. Kaprekar. He also lauded Sir Mokshagundam Visvesvaraya, Dr. E. Sreedharan, Sh.K. L. Rao, and Sh. Harvey Slocum for spearheading iconic projects.

THDC India Limited remains committed to societal upliftment and social development and it firmly believes in the power of education to drive progress and foster innovation. THDCIL has established an Engineering College in Bhagirathipuram, Tehri, equipped with State-of-the-Art facilities to nurture talent in various disciplines. These initiatives underscore THDCIL's commitment to promote education and create pathways for the youth to realise their potential.

As a part of THDCIL's Corporate Social Responsibility (CSR) endeavors, the company has undertaken various initiatives to promote education and realize the dream of an educated India. THDC's initiatives include running 3 schools to provide quality education to more than 850 children of poor and economic weaker background. The company also run computer training center to promote digital literacy among youths for enhanced job-oriented skills.

These initiatives underscore THDCIL's commitment to promote education and create pathways for the youth to realize their potential.

जीवेषु करुणा चापि मैत्री तेषु विधीयताम् । - Be compassionate and friendly to all living beings.



A comprehensive 05-day mid-career training program organized for the 2nd Batch of Chief Engineers of the Central Electricity Authority (CEA)



A group photograph during the program

A comprehensive 05-day mid-career training program for the 2nd Batch of Chief Engineers of the Central Electricity Authority (CEA) was inaugurated at the HRD Centre, THDC India Limited in Rishikesh on 06th May, 2024. Organized from 6th May to 10th May, 2024 this training program signified a significant stride towards enhancing leadership skills and embracing emerging technologies in the Power Sector.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited, emphasized the importance of this program in enhancing the leadership skills of mid-career professionals and providing training on emerging technologies in the Power Sector to prepare them for the Digital Age. He highlighted THDC's commitment to the overall development and technological advancement in the Power Sector, alongside providing 24x7 affordable power to the nation.

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDC India Limited inaugurated the 5-day training program at THDCIL's HRD Centre at Rishikesh and said that this comprehensive 5-day program aimed to equip Chief Engineers of CEA with the necessary tools and insights to thrive in the Digital Age.

Notably, the faculty for this training program was from prestigious IIM Kashipur further enhancing the quality of the training. This collaboration brought expertise and insights from one of the leading management institutions, enriching the learning experience for participants.

Sh. Singh emphasized on the importance of cultivating a learning mindset in today's fast-paced business landscape, underlining its role in organizational success. He noted the privilege of THDCIL in having a modern State-of-the-Art HRD Center nestled in environmentally friendly surroundings in Rishikesh. This center has been instrumental in hosting numerous programs and workshops aimed at harnessing various energy resources.

Equipped with cutting-edge technologies, the HRD Center at THDCIL offers residential training programs catering to diverse government and private institutions. Beyond business-focused training, the center also provides sessions on yoga, work-life balance, and positivity, promoting a holistic approach to personal and professional growth.

The program also included a visit to the iconic Tehri Dam to provide participants with firsthand exposure to cutting-edge technologies and operational best practices in the Power Sector, enriching their learning journey.

It is worth noting that a total 20 Chief Engineers from CEA participated in the above program. Additionally, it is important to recognize CEA's role as an advisory body, providing advice on policy matters and planning and coordinating for the development and regulation of the Power sector.



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

टिहरी परियोजना में मस्तिष्क योग कार्यशाला का आयोजन किया गया

टिहरी परियोजना के बहुउद्देशीय भवन में परियोजना में कार्यरत कर्मचारियों हेतु 17 मई, 2024 को मस्तिष्क योग (Brain Yoga) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ श्री एल. पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में श्री सुरेश कुमार, मस्तिष्क योग विशेषज्ञ द्वारा कर्मिकों को मस्तिष्क योग की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। कार्यशाला में महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.), डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (वित्त), श्री संदीप भटनागर, अपर महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.), श्री डी. पी. पात्रो, अपर महाप्रबंधक (ओ. एंड एम.), श्री आर. एस. राणा, सहित परियोजना के समस्त वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



वीपीएचईपी में दो दिवसीय मस्तिष्क योग कार्यशाला का आयोजन

विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के संजीवनी क्लब परिसर में 06 मई, 2024 और 07 मई, 2024 को कर्मचारियों/अधिकारियों एवं उनके परिजनों हेतु दो दिवसीय मस्तिष्क योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन, एकाग्रता में सुधार और समग्र मानसिक लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक उपकरणों से लैस करने के उद्देश्य से मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), श्री अजय वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संध्या वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। श्री सुरेश कुमार, योग प्रशिक्षक ने कर्मिकों उनके परिवारजनों को स्मृति और एकाग्रता में सुधार के लिए उन्नत अभ्यास, रचनात्मकता और समस्या सुलझाने के कौशल को बढ़ाने की तकनीकें सिखाई।



THDCIL signed a MoU with UK PWD for Rendering Technical Services of THDCIL as 'Technical Consultant'



THDC India Limited signed a significant Memorandum of Understanding (MoU) with the Public Works Department, Uttarakhand for rendering the technical services of THDCIL as the "Technical Consultant" at the Uttarakhand PWD Head Office, Yamuna Colony, Dehradun on 22nd May, 2024.

Speaking on the occasion Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Ltd., emphasized the pivotal role THDCIL is playing as

the 'Technical Consultant.' The company will contribute its expertise towards preparing Detailed Project Reports (DPR) and offering technical assistance for slope protection on various state highways, major district roads, and other routes in Uttarakhand. THDCIL is committed to employing cutting-edge technology and flexible treatment measures alongside conventional methods to tackle site-specific challenges effectively. This collaboration aims to ensure safe passage for vehicles traversing Uttarakhand's terrain.

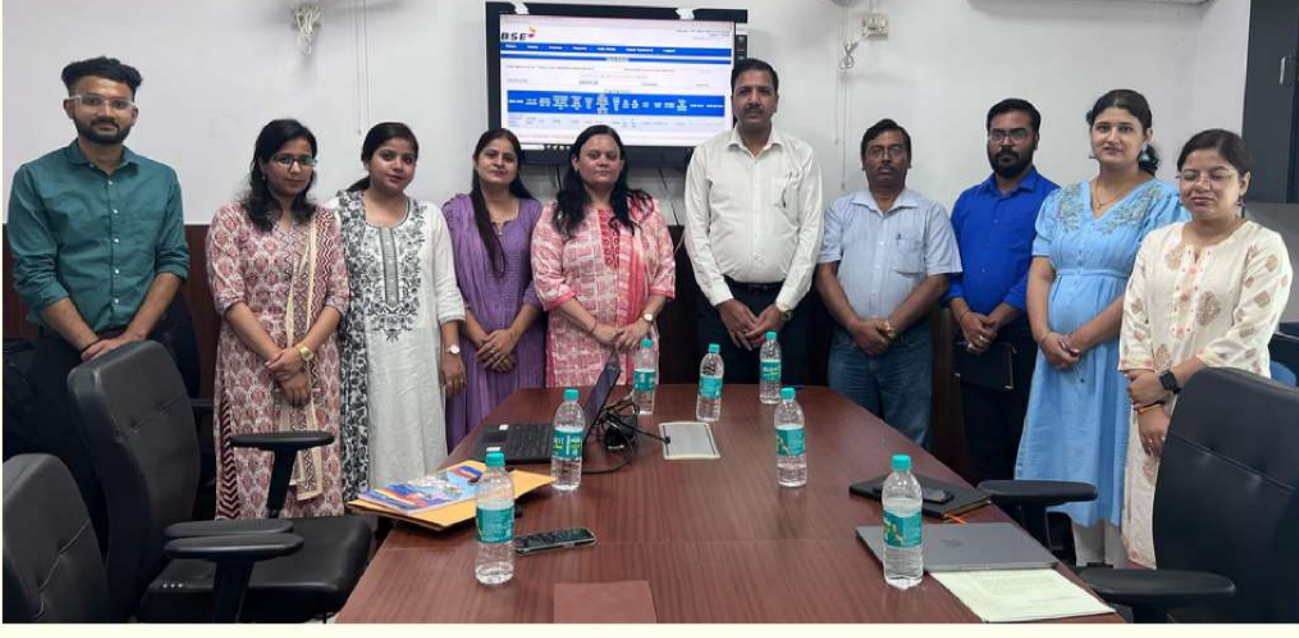
THDCIL has proven expertise in this sphere by offering similar consultancy services in past to MoRTH Dehradun, MoRTH Arunachal Pradesh, MoRTH West Bengal, NHAI J&K, MoRTH Maharashtra, NHAI Pune, NHAI Shillong for slope protection works. Past projects involved slope protection works and preventive measures against shooting stones and rockfalls for revered sites like Shri Mata Vaishnodevi and Shri Amarnath Ji Shrine Boards. This MoU signifies THDCIL's dedication to delivering optimal results and contributing to progress.

Sh. Sandeep Singhal, ED (Technical), THDCIL and Sh. Deepak Kumar Yadav, Engineer-In-Chief, UK PWD signed the MoU. During the MoU signing ceremony Dr. Neeraj Kumar Agrawal, AGM – Incharge; Sh. Amit Shyam Gupta, Manager (Civil Design), THDCIL and Sh. Om Prakash, Chief Engineer; Sh. Harish Pangti, SE from UK PWD were also present.



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

THDCIL Corporate Bond Series X of Rs 750 Crore oversubscribed 8 times



THDC India Limited has achieved a significant milestone by successfully raising Rs 750 Crore through issuance of THDCIL Corporate Bonds Series- X.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL while expressing satisfaction over the overwhelming response from the investors informed that the issue comprises of a base size of

Rs 250 Crore and a green shoe option of Rs 500 Crore, i.e. total issue size of Rs 750 Crore, with a tenor of 10 years. The funds raised through this issue will be utilized to partly meet debt requirements of THDCIL's ongoing and under-construction projects including recoupment of expenditure already incurred and to refinance the existing loans.

The bond issue attracted considerable investor interest, leading to a noteworthy oversubscription of approximately 8 times the base issue size, amounting to Rs 2072.42 Crore.

This accomplishment underscores the confidence of investors in THDCIL's financial stability and operational performance. The competitive coupon rate of 7.76% p.a. discovered through BSE-Electronic Bidding Platform, further reinforces the trust placed in THDCIL Corporate Bonds.

Additionally, these bonds have received a credit rating of "AA outlook Positive" from India Ratings and "AA outlook Stable" from CARE, emphasizing the company's robust creditworthiness.

The bidding for this successful bond issue took place on May 27, 2024 at THDCIL's Corporate Office in Rishikesh. The assignment was coordinated by Sh. A.K. Garg, CFO, Ms. Rashmi Sharma, Company Secretary and Ms. Hemlata Agarwal, BSE Head Northern Region, Fixed Income.

THDCIL has established a notable presence not only in Hydro Power Generation but also in Renewable Energy with a nationwide presence. Presently, THDCIL is a Category-1 Mini Ratna Class-A Central Public Sector Undertaking (CPSU). The company presently manages an energy capacity of 1587 MW, encompassing Hydro, Wind, and Solar power. Furthermore, THDCIL is in the process of advancing its capabilities, with imminent addition of 1444 MW in hydro capacity including the aspirational 1000 MW Tehri Pumped Storage Plant. Furthermore, 1320 MW Khurja Super Critical thermal power at Khurja, Bulandshahr is also undergoing advanced development stages. It is also to mention that THDCIL has operational coal mines at Amelia, Madhya Pradesh with the Commercial Operations commenced six months ahead of its schedule which is also a special achievement. As of present, THDCIL has issued a total of 10 series of Bonds and has successfully raised funds amounting to Rs. 8542 Crore from the corporate debt market. All of these bond issues have consistently elicited strong investor interest displaying market confidence on THDCIL.

टिहरी परियोजना में टीसीसीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

टिहरी परियोजना में टीसीसीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ 03 मई, 2024 को हुआ। टूर्नामेंट में 8 टीमों द्वारा भाग लिया गया। उक्त टूर्नामेंट में 8 टीमों के बीच 16 मैच 03 मई, 2024 से 31 मई, 2024 तक खेले गए। 31 मई, 2024 को फाइनल मैच द्रोणागिरी शूटर्स और कॉमेट क्लेन टीम के बीच खेला गया जिसमें कॉमेट क्लेन विजेता एवं द्रोणागिरी शूटर्स उप-विजेता रही। टूर्नामेंट के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री एल. पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टी.सी/ ए.पी) द्वारा टूर्नामेंट के समस्त विजेताओं को सम्मानित किया गया।





Generating Power... Transmitting Prosperity ...

First Steam Blowing Commenced at KSTPP



Khurja STPP achieved another major milestone on the evening of 18 May, 2024 with the commencement of first steam-blowing activity Boiler Unit 1 of the ongoing thermal project (under construction).

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical) expressed his happiness over this achievement and congratulated the entire Khurja team for it. The steam-blowing activity will be completed in different stages. This will scrub the system and will ensure impeccable steam quality which will be admitted to the turbine at a later stage.

Team comprising the officials of THDCIL, BHEL and LMB played an instrumental role in the commencement of this activity. Sh. Kumar Sharad, ED(Project), Sh. R.M. Dubey, GM (Electrical), Sh. Binod Kumar Sahoo, GM (Commissioning/O&M), Sh. Prabhat Ranjan GM (Civil-SG/C&MM) and other senior officials of THDCIL, NTPC, BHEL and LMB graced this occasion. Sh. Kumar Sharad, ED(Project) said that it was a much-awaited activity and it would help in the timely commissioning of the unit. He congratulated the entire team members for their hard work and consistency.

खुर्जा परियोजना में संपन्न हुआ राजभाषा निरीक्षण



07 मई, 2024 को विद्युत मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा खुर्जा कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। इस बैठक में कार्यपालक निदेशक (परियोजना), श्री कुमार शरद, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.), श्री वीर सिंह, महाप्रबंधक (विद्युत), श्री आर. एम. दुबे, वरिष्ठ प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.), श्री अमरेन्द्र कुमार विश्वकर्मा, उप प्रबंधक (राजभाषा), श्री पंकज शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य खुर्जा कार्यालय में राजभाषा के प्रयोग की समीक्षा करना था। मंत्रालय के अधिकारियों ने राजभाषा के कार्यान्वयन की प्रशंसा करते हुए संतोष व्यक्त किया एवं कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

वीपीएचईपी में विद्युत मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा राजभाषा निरीक्षण

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा 31 मई, 2024 को विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना का राजभाषा निरीक्षण किया गया। श्री सुशील कुमार, सहायक निदेशक के नेतृत्व में विद्युत मंत्रालय की राजभाषा निरीक्षण टीम ने वीपीएचईपी कार्यालय में राजभाषा से जुड़े कार्यों का जांचा लिया। निरीक्षण के पश्चात अधिकारियों ने वीपीएचईपी के राजभाषा कार्यान्वयन की प्रशंसा करते हुए संतोष व्यक्त किया एवं कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

इस निरीक्षण बैठक के दौरान श्री जे.एस. बिष्ट, अपर महाप्रबंधक (प्रभारी) (यांत्रिक, सा. एवं पर्या.), श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक (वित्त), श्री वी.डी. भट्ट, वरि. प्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.), श्री पंकज शर्मा, उप प्रबंधक (राजभाषा-ऋषिकेश), श्री वाई.एस. चौहान, आदि उपस्थित रहे।





विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

वीपीएचईपी में श्रमिकों हेतु चिकित्सीय जाँच शिविर का आयोजन



अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस (01 मई, 2024) के अवसर पर 444 MW विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के निर्माण में अपनी भागीदारी दे रहे श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु, वीपीएचईपी में समस्त श्रमिकों के लिए निशुल्क चिकित्सीय जाँच शिविर का एचसीसी कार्यालय परिसर, वीपीएचईपी, पीपलकोटी में आयोजन किया गया।

वीपीएचईपी के मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), श्री अजय वर्मा ने इस शिविर का शुभारंभ किया और रक्त जाँच कराई। उनके साथ श्री के.पी. सिंह, अपर महाप्रबंधक(प्रभारी)- टीबीएम एवं विद्युत गृह, श्री पी. एस. रावत (अपर महाप्रबंधक(प्रभारी)- बांध), श्री जे.एस. बिष्ट (अपर महाप्रबंधक(प्रभारी)- सा. एवं पर्या. एवं यांत्रिक), श्री वी.डी. भट्ट (वरिष्ठ प्रबंधक-मा.सं. एवं प्रशा.) उपस्थित रहे।

VPHE Project Initiates Reinforcement work for Crane Beam Columns



444 MW Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project achieved a significant milestone with the commencement of reinforcement work for crane beam columns and raft for Unit-1 in the Machine Hall, following the completion of the installation of earth mat, earth electrodes, and PCC at MIV floor at Elevation Level 1015.50m on 16th May, 2024. Sh. Ajay Verma, Chief General Manager (Project), laid the foundation stone, marking the beginning of this vital phase. The event was attended by senior officers of VPHEP, including Sh. K.P. Singh, AGM (TBM&PH), Sh. Arun Kumar (AGM, E&C), Sh. S.P. Dhobhal (DGM, PH), Sh. R.S. Makhloga (DGM, HM), and Sh. V.D. Bhatt (Sr. Manager, HR&A), among others. Sh. Ajay Verma commended the team for their dedication and emphasized the importance of maintaining momentum for the timely completion of the project, stressing the need for continued progress across all fronts.

खुर्जा परियोजना में BOCW एक्ट के अंतर्गत कामगारों का पंजीकरण



खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में कार्यरत कामगारों एवं श्रमिकों के लिए BOCW (Building and Other Construction Workers Act) के अंतर्गत पंजीकरण का कार्य THDC के सौजन्य से चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। यह कार्य L&T परिसर में शिविर लगाकर पूरा किया जा रहा है। निर्माण क्षेत्र में लगे कामगारों को सरकार की कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए बीओसीडब्ल्यू अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण कराना अत्यंत आवश्यक है। पंजीकरण के पश्चात ही कामगारों को नियमित अवकाश, जीवन बीमा, बच्चों एवं उनके परिवार को शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

पानी की समस्या को दूर करने के उद्देश्य से खुर्जा परियोजना द्वारा लगवाए गए हैंड पंप

खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना द्वारा निगम के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत विभिन्न कल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में खुर्जा परियोजना द्वारा विधानसभा क्षेत्र-70, खुर्जा, में कुल 10 इंडिया मार्क-II हैंड पंप लगवाए गए। इससे भीषण गर्मियों में राहगीरों एवं ग्रामवासियों को शुद्ध पीने योग्य जल प्राप्त हो सकेगा तथा साथ ही साफ पानी के उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा और बीमारियों का खतरा भी कम होगा।





Generating Power... Transmitting Prosperity ...

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा वार्षिक उत्सव का आयोजन



लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 22 मई, 2024 को वार्षिक उत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर श्री आर. के. विश्वोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्रीमती चंचल विश्वोई, मुख्य संरक्षिका, श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) और श्रीमती मनु शिखा गुप्ता, संरक्षिका उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसोसिएशन की सभी सदस्याओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और अनेक प्रकार की गतिविधियों का जैसे गेम्स, नृत्य, नाटक आदि का आयोजन किया।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा एसोसिएशन की सदस्याओं हेतु विदाई समारोह का आयोजन



लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 23 मई, 2024 को क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती समिता सिंह एवं दो अन्य सदस्याओं श्रीमती मीनाक्षी कंसल एवं श्रीमती सुमन असवाल हेतु विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती चंचल विश्वोई, मुख्य संरक्षिका एवं श्रीमती मनु शिखा गुप्ता, संरक्षिका उपस्थित रहे। एसोसिएशन की नई गठित समिति ने पुरानी समिति की सदस्याओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी। साथ ही नई समिति के सदस्यों का प्लांट भेंट कर स्वागत किया गया

स्कूली छात्राओं में सेनेटरी पैड्स का वितरण



खुर्जा

खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना के सीएसआर विभाग एवं मंजरी लेडीज़ क्लब के संयुक्त प्रयास से 21 मई, 2024 एवं 22 मई, 2024 को उच्च प्राथमिक विद्यालय, रसूलपुर, संयुक्त स्कूल, ऊँचागाँव एवं सतनामी कन्या विद्यापीठ, रुकनपुर में सेनेटरी पैड्स का वितरण किया गया। रसूलपुर में कुल 161, ऊँचागाँव में कुल 295 एवं रुकनपुर में कुल 204 छात्राओं को पैड्स वितरित किए गए। यह कार्यक्रम टीएचडीसी के द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित किया गया। मंजरी लेडीज़ क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती बिनीता शरद एवं क्लब की अन्य सदस्याएं इस अवसर पर उपस्थित रहीं।



भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं



Dr. N. K. Bhattacharya
GM (Finance)
DoR: 31-05-2024

Dr. N. K. Bhattacharya, GM (Finance) superannuated from the corporation on 31 May, 2024, after a distinguished career. Dr. Bhattacharya is an alumnus of Calcutta University and holds a CMA, an MBA in Finance, a Company Secretary qualification, and a Ph.D. He began his career in a Public Limited Company with postings in Calcutta and Guwahati.

Dr. Bhattacharya joined THDCIL in July 1996 as an E1- Assistant Accounts Officer in Rishikesh. He served in Rishikesh until 2003 before being posted to the VPHEP as a founding member of the Finance and Accounts (F&A) team. From 2008 to 2010, he contributed to a New Project, and subsequently, he worked in Bhutan from 2010 to 2014. He returned to Rishikesh in 2015, where he continued to serve until his retirement. Throughout his career, he developed and implemented comprehensive accounting systems, computerized budgetary systems, and Ind AS standards. He also managed the Rishikesh Unit's accounting from 2017 to 2022 and served as Secretary of the PF & Pension Trust, developing a Higher Pension system in collaboration with the EPFO Portal. Dr. Bhattacharya's contributions have significantly strengthened THDCIL's financial operations and employee benefits.



Sh. Prabhat Ranjan
GM (Civil)
DoR: 31-05-2024

Sh. Prabhat Ranjan, GM (Civil) at THDC India Limited, retired from Khurja Super Thermal Power Project (KSTPP) on May 31, 2024, after a distinguished 37-year career in civil engineering. Beginning as a Project Manager with V.S. Brothers in 1987, he joined Hindalco's Renusagar Power Division as an Assistant Engineer in 1995, where he worked on a coal-based thermal power plant in Uttar Pradesh.

In 2001, he joined THDCIL as a Senior Engineer at the Koteshwar Hydro Electric Project, later overseeing Monitoring & Project Services at the Corporate Office in Rishikesh and contributing to the Malshej Ghat PSP in Maharashtra. He also worked at the Vishnugad Piplakoti HEP in Quality Control and Contract Operations before moving to KSTPP in 2018, where he led various civil works and contract operations.

Sh. Ranjan's notable contributions to THDCIL have left a lasting legacy, and his dedication and expertise will always be remembered.



Sh. M. C. Ramola
GM (Services)
DoR: 31-05-2024

Sh. Mahesh Chand Ramola, GM (Services) superannuated from the corporation on 31 May, 2024. A Civil Engineering graduate from Nagpur University (1992), he joined THDCIL in 1993.

Throughout his tenure, Sh. Ramola managed key projects including urban rehabilitation in New Tehri Town, building construction in Bhagirathipuram, and various construction works for the Tehri Hydro Power Project. He played a crucial role in the Varunavat Landslide treatment and oversaw construction and maintenance in Bhagirathipuram, Koti, and New Tehri Town.

From 2018 to 2024, he led the Services Department in Rishikesh, overseeing significant projects such as the construction of dormitories, dining halls, clubs, roads, and VIP cottages, as well as renovations. Sh. Ramola's contributions to THDCIL are highly valued and will be remembered.



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं



श्री सीमांत पंत
उप महाप्रबंधक (बीकानेर सोलर
पार्क) बीकानेर
सेवानिवृत्ति 31-05-2024



श्री बिरेन्द्र सिंह मल्ल
वरि. प्रबंधक (विधि एवं पुनर्वास
समन्वय) टिहरी
सेवानिवृत्ति 31-05-2024



श्री सुशील चंद्र बधानी
वरि. प्रबंधक (पीएसपी)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31-05-2024



श्री बीरपाल सिंह असवाल
प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31-05-2024



श्री बिरेन्द्र सिंह चौहान
सहायक प्रबंधक
(जनसंपर्क) कौशांबी
सेवानिवृत्ति 31-05-2024



श्री सोहन सिंह
उप अभियंता (मेकेनिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31-05-2024



श्री सूरज सिंह
उप अधिकारी (मेकेनिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31-05-2024



श्री गजेन्द्र भण्डारी
उप अधिकारी (मा.सं. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31-05-2024



श्री शेर सिंह
वरि. सहायक (मा.सं. एवं
प्रशा.) टिहरी
सेवानिवृत्ति 31-05-2024



श्री किशोरी लाल नौटियाल
हेल्पर (इलेक्ट्रिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31-05-2024

Doctor's Advice



Dr. Vibha Chaudhary
Chief Medical Officer
Niramaya Swasthya Kendra,
Rishikesh



Dr. Rajani Singh
Dy. Chief Medical Officer
Niramaya Swasthya Kendra,
Rishikesh



Fatty Liver

As a key player in our body's digestive system, liver processes everything we eat and drink, including medicines. It cleanses our body, get rid of harmful chemicals, produces bile for digestion and stores glycogen for further use.

Fatty liver indicates that our liver is over burdened with fat, but its primary stage is asymptomatic and usually diagnosed with routine USG. But this is the time to look into this matter and stop its progression with the following tips:

1. A healthy lifestyle makes a liver healthy, weight loss gives you a magical return.
2. Eat balanced diet with low refined carbohydrates, less saturated fat, less sugar and increase your protein intake.
3. Exercise regularly to burn your stored fat (burn triglycerides).
4. Keep a check on your alcohol intake.
5. Vaccinate yourself against hepatitis A & B, stay away from contaminated needles and proper hand washing prior to eating is the best way to avoid hepatitis A.
6. Maintain hydration and drink a lot of water.

Your liver will smile if you eat vegetables, nuts, seeds, fatty fishes, anti-oxidants food like berries, grapes, green tea and coffee.

Stay Healthy... Stay Smiling... 😊

Designed In-House by Corporate Communication Department

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन व जनसम्पर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित

फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www.thdc.co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com

गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)